मोर पंख वाला मिल गया भजन लिरिक्स

अकेली गई थी ब्रज में,
कोई नहीं था मेरे मन में,
मोर पंख वाला मिल गया,
मोरपंख वाला मिल गया।bd।

नींद चुराई बंसी बजा के,
चैन चुराया सैन चलाके,
लगी आस मेरे मन में,
गई थी मैं वृंदावन में,
बांसुरी वाला मिल गया,
मोरपंख वाला मिल गया।bd।

उसी ने बुलाया उसी ने रुलाया,
ऐसा सलोना श्याम मेरे मन भाया,
टेढ़ी बाकी चाल देखी,
टेढा मुकुट भी देखा,
टेढ़ी टांग वाला मिल गया,
मोरपंख वाला मिल गया।bd।

बांके बिहारी मेरे ह्रदय में बसाऊ,
तेरे बिना श्यामसुंदर कहां चैन पाऊं,
लगन लगी तन मन में,
ढूंढ रही मैं निधिवन में,
गव्वे वाला मिल गया,
मोरपंख वाला मिल गया।bd।

अकेली गई थी ब्रज में,
कोई नहीं था मेरे संग में,
मोर पंख वाला मिल गया,
मोरपंख वाला मिल गया।bd।

प्रेषक – प्रसन्न दुबे।
8827417995

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com